

पंखुड़ियाँ हिंदी पाठमाला प्रवेशिका स्तर से आठवीं कक्षा तक के लिए है। इस पाठमाला में बाल मनोविज्ञान तथा छात्रों की योग्यतानुसार सदाचार, प्रेम, त्याग आदि सद्गुणों का तथा जीवन में कदम-कदम पर नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।



Revised Edition

पंखुड़ियाँ : हिंदी अभ्यास पुस्तिका



Teacher's Resource Pack

Teacher's CD

- ▶ Audio video representation of each lessons
- ▶ Interactive Learning
- ▶ Flipbook
- ▶ Test Generator
- ▶ Printable Worksheets

Teacher's guide

- ▶ Detailed Lesson Plans
- ▶ Answer Key

Online support material


- ▶ Worksheets

विशेषताएँ

- पाठ सरस, रोचक तथा सरल तरीके से सिखाए गए हैं।
- यह बाल मनोविज्ञान पर आधारित है, जिसमें आयु तथा मानसिक स्तर का पूरा ध्यान रखा गया है।
- पाठ नैतिक मूल्यों से तथा नवीनतम तकनीकी ज्ञान के तथ्यों से परिपूर्ण हैं।
- भाषा अध्ययन तथा व्याकरण ज्ञान को ध्यान में रखकर प्रश्न तथा अभ्यास लिखे गए हैं।
- सुंदर तथा आकर्षक चित्र एवं सहज उपयोगी अध्यापन संकेत दिए गए हैं।
- शिक्षकों के मार्गदर्शन हेतु शिक्षक-दर्शिकाएँ उपलब्ध हैं।

भाषा व व्याकरण का क्रमबद्ध ज्ञान

18 आओ भर लें खुशियाँ



पात्र : 1. चौद 2. तीन जुगन् 3. तारं 4. बादल 5. हवा 6. बिजली

मंच सज्जा : (जंगल का वातावरण। मंच पर एक तरफ चौद, हवा, बादल, बिजली और सितारे हैं। मंच की दूसरी तरफ पर प्रकाश होता है। हल्की-हल्की धुन बज रही है। वातावरण प्रसन्नता से भरा हुआ है। थोड़ी देर धुन बजती रहती है। फिर तीन जुगन् (बच्चे) उड़ते हुए आते हैं और गाते हुए पूरे जंगल में घूमते हैं।)

जुगन् : (गाते हुए) सुनो ... सुनो ... सुनो ... सुनो ... सुनो ...
 ऐ चौद, सितारो, सुनो ...
 मैं ही रात का सूरज हूँ,
 मैं हूँ सबसे न्यारा
 प्यारा ... सुनो ... सुनो ... सुनो ... सुनो ... सुनो ...

भाषा की बात

1. परिचय और समीक्षा

बच्चों! अभी तक आपको कौकी जानकरी हो चुकी होगी। इस पाठ्य-पुस्तक के पहले पठ से एक बार क्रम से जान लीजिए कि व्याकरण क्यों पढ़ी जाती है? इसमें क्या पढ़ना होता है?

- व्याकरण को पढ़ते-पढ़ते स्पष्ट हो ही भाषा को ठीक-ठीक बोलना, लिखना और उसका व्यवहार करना सीखते हैं।
- व्याकरण में भाषा के अनेक बर्ण-विचार, शब्द-विचार, वाक्य विचार पर विचार किया जाता है।
- भाषा को सही ढंग से लिखना या बोलना सीखते हैं। जैसे-अ, इ, उ, ए, ए, आदि।
- बर्णों को अलग-थलग बताना है। भाषा विचार विचारों में लिखी जाती है, उसे लिखि कहते हैं। लिखि पाठ देखकर ही लिखि में लिखी जाती है।

वर्ण विच्छेद—किसी शब्द में प्रथम बिन्दु पर समाप्त वर्णों के अलग-अलग करने को **वर्ण विच्छेद** कहते हैं। जैसे—

अमर - अ + म् + र = अ + र् + अ
 धामन - ध् + म् + र् + अ + म् + अ + न् + अ
 रबी - र् + व् + र् + ई
 प्रसल - र् + र् + अ + म् + अ + न् + अ

2. नीचे दिए गए वाक्यों में किये शब्दों पर मोला (सही ढंग में लिखिए)

(क) हम कुछ खर दिखलेंगे। (ख) हम उनको गले लगाएँगे।
 (ग) हम उनको मुठ्ठी बजलेंगे। (घ) उड़ना का दोष बजलेंगे।
 (ङ) फिर से उड़ना बजलेंगे। (च) हम उनका मान बजलेंगे।
 (छ) हम जग में नाम बजलेंगे।

3. परिचय, समीक्षा और एक शब्द सचब लिखिए

(क) **विलोम शब्द**

रविच × अमीर	उत्साह × निरसाह	आकारी × मुलकी
मान × अपमान	उद्वेग × आश्रय	उम्मीद × निरुम्मीद
शर × _____	अपेक्षा × _____	धीर × _____

(ख) **पर्यायवाची शब्द**

रीस - टीसक _____	अपेक्षा - अपेक्षक _____
उत्साह - जोश _____	घर - गृह _____


आकर्षक रंगीन चित्रों का समावेश
 विविध साहित्यिक विधाओं से संबंधित पाठ

बच्चों की बौद्धिक क्षमता व स्तर के अनुसार कविताओं का चयन



ISBN	Title
9788130933139	Pankhudiyan: Hindi Praveshika, Revised Edition
9788130933146	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 1, Revised Edition
9788130933153	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 2, Revised Edition
9788130933160	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 3, Revised Edition
9788130933177	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 4, Revised Edition
9788130933184	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 5, Revised Edition
9788130933191	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 6, Revised Edition
9788130933207	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 7, Revised Edition
9788130933214	Pankhudiyan: Hindi Pathmala - 8, Revised Edition

7 काला कौआ



उजला-उजला हंस एक दिन उड़ते-उड़ते आया हंस देखकर काला कौआ मन-ही-मन शरमाया।

लगा सोचने, उजला-उजला मैं कैसे हो पाऊँ? उजला हो सकता हूँ सावुन से मैं अगर नहाऊँ। यही सोचता मेरे घर पर आया काला कागा, और मुसलखाने से मेरा सावुन लेकर भागा।

फिर जाकर नदी पर सावुन खूब लगाया खूब नहाया, मगर न अपना कालापन धो पाया। मिटा न उसका कालापन तो मन-ही-मन पछताया पास हंस के कभी न फिर वह काला कौआ आया।

—दिलीपराज 'परम'—

ISBN	Title
9788130933221	Pankhudiyan: Workbook - 1, Revised Edition
9788130933238	Pankhudiyan: Workbook - 2, Revised Edition
9788130933245	Pankhudiyan: Workbook - 3, Revised Edition
9788130933252	Pankhudiyan: Workbook - 4, Revised Edition
9788130933269	Pankhudiyan: Workbook - 5, Revised Edition
9788130933276	Pankhudiyan: Workbook - 6, Revised Edition
9788130933283	Pankhudiyan: Workbook - 7, Revised Edition
9788130933290	Pankhudiyan: Workbook - 8, Revised Edition

download study material from www.vivadigital.in